पाठ 18

पिंजरे का जीवन

मनुष्य हो या पशु–पक्षी, बंधन किसी को पसंद नहीं। मनुष्य अपने स्वार्थ–साधन, सेवा और मनोरंजन के लिए पशु–पक्षियों को पालता है। वे विवशता में बंधन में बँधते हैं, जबकि वे मन से स्वच्छन्द जीवन जीना चाहते हैं। इस कविता में बंदी तोते को सुखी जानकर एक मैना स्वयं उसके स्थान पर बंदी बन जाती है और तोते को स्वतंत्र कर देती है लेकिन बाद में वह पिंजड़े के जीवन से दुखी होती है।

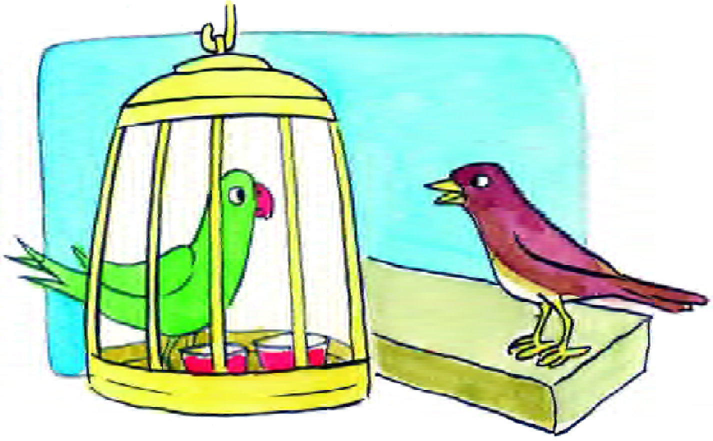

पिंजरे के तोते से बोली
छत पर बैठी मैना।
''बड़े मजे से तुम रहते हो
बोलो ये सच है ना ?

बैठे–बैठे मिल जाते हैं
भाँति–भाँति के व्यंजन।
काश! मुझे भी मिल पाता
जो इस पिंजरे का जीवन।

भोजन औ जल की तलाश में
हम दिन–रात भटकते।
तब जाकर दो–चार अन्नकण
अपने पल्ले पड़ते ।।

शिक्षण–संकेत : पालतू पशुओं और पक्षियों के संबंध में कक्षा में चर्चा कीजिए। छात्रों से पूछिए कि यदि उन्हें बहुत अच्छा खाना दिया जाए, रहने के लिए सब आराम दिए जाएँ और उन्हें एक कमरे में बंद रखा जाए तो कैसा लगेगा? यही बात पक्षियों के संबंध में है। हम अपने मनोरंजन के लिए उन्हें पिंजरों में बंद रखते हैं– यह बहुत अनुचित है। कविता में मैना तोते के सुखमय जीवन के लालच में स्वयं पिंजड़े में बंद हो जाती है। और फिर वही स्वतंत्रता पाने को पछताती है। कविता को लय–स्वरपूर्वक सुनाएँ और बच्चों से अनुकरण वाचन कराएँ। एक–एक विद्यार्थी से एक–एक छन्द वाचन कराएँ। बाद में कविता का अर्थ स्पष्ट करें।

उस पर हरदम चिड़ीमार का
डर रहता है मन में।
हिंसक जीव–जंतुओं का
भीषण खतरा है वन में।।''

तोता बोला, ''अगर सोचती
हो सुख है पिंजरे में,
मुझे निकालो, आओ अंदर
मैं जाता हूँ वन में।।

तुम ले लो पिंजरे का सुख
मैं लूँ जंगल की पीड़ा।
बड़े मजे से रहना इसमें,
करना निशि–दिन क्रीड़ा।।''

मैना ने खोला दरवाजा
जैसे ही पल–छिन में।
मैना को अंदर कर तोता
खुद उड़ गया गगन में।।

चार दिनों में ही वह मैना
अंदर तड़प रही थी।
उड़ने को अकाश में ऊँचे
तबीयत फड़क रही थी।।

भाँति–भाँति के भाते थे
उसको ना कोई व्यंजन।
ना आराम सुहाता उसको
ना पिंजरे का जीवन।।

शब्दार्थ

भाँति–भाँति	– तरह–तरह	भीषण	–	भयंकर
व्यंजन	– खाने की अच्छी वस्तुएँ	क्रीड़ा	–	खेल
हिंसक	– मारनेवाला	सुहाना	–	मनोहर, अच्छा लगना
छिन	– क्षण	पल–छिन	–	थोड़ी देर में।
चिड़ीमार	– पक्षियों को पकड़ने तथा मारनेवाला।			

प्रश्न और अभ्यास

प्रश्न 1 इस कविता में किस–किस पक्षी के बीच बातचीत बताई गई है ?

प्रश्न 2 पक्षी के लिए पिंजरे का जीवन दुखदाई क्यों होता है ?

प्रश्न 3 अगर तुम्हें खाने–पीने, आराम करने का सारा सामान रखकर किसी कमरे में बंद कर दिया जाए, तो तुम्हें कैसा लगेगा ? अपने शब्दो में लिखो।

प्रश्न 4 पिंजरे के बाहर रहनेवाली मैना ने पिंजरे में बंद तोते से यह क्यों कहा, 'बड़े मजे में तुम रहते हो।'

प्रश्न 5 पिंजरे में बंद हो जाने पर मैना दुखी क्यों रहने लगी ?

प्रश्न 6 "हिंसक जीव–जन्तुओं का भीषण खतरा है वन में", वन में पक्षियों के हिंसक जीव–जन्तु कौन–कौन–से होते हैं ?

भाषातत्व और व्याकरण

- पाठ में से कविता की चार पंक्तियाँ शिक्षक बोलें और बच्चों को लिखने को कहें। परस्पर कॉपियाँ अदल–बदलकर उन्हें जाँचने को बच्चों से कहें। अंत में शिक्षक इन पंक्तियों को श्यामपट पर लिखें और बच्चों को पुनः जाँच करने को कहें।

पढ़ो और समझो

- ‘गैंडा’ और ‘मच्छर’ दोनों पुल्लिंग शब्द हैं। इनके स्त्रीलिंग रूप नहीं होते। इसी प्रकार चील और मैना स्त्रीलिंग शब्द हैं। इनके पुल्लिंग रूप नहीं होते।

प्रश्न 1 ऊपर उदाहरण में बताए शब्दों के अतिरिक्त पुल्लिंग और स्त्रीलिंग शब्द लिखो जिनके लिंग नहीं बदलते।

- दो शब्द हैं– अगर और मगर। दोनों शब्दों में कोई मात्रा नहीं लगी है।

प्रश्न 2 ऐसे ही पाँच बिना मात्रा वाले शब्द लिखों जिसके अंत में ’र’ वर्ण आता हो।

- कभी–कभी दो विलोम शब्दों का प्रयोग एक साथ होता है, जैसे

करते निशि–दिन क्रीड़ा

हम दिन–रात भटकते।

यहाँ निशि–दिन का अर्थ है, रात–दिन, जो कि एक दूसरे के विलोम शब्द हैं।

प्रश्न 3 ऐसे दो वाक्य लिखो जिनमें इसी प्रकार के दो विलोम शब्दों का प्रयोग हुआ हो।

प्रश्न 4 ‘हर’ में ‘दम’ लगाकर ‘हरदम’ शब्द बना है। ‘हर ’लगाकर दो शब्द और बनाओ और उनका अपने वाक्यों में प्रयोग करो।

प्रश्न 5 नीचे लिखे शब्दों की समान ध्वनिवाले दो–दो शब्द लिखो

जैसे – तोता, होता, सोता।

जंगल, मंगल, दंगल।

प्रश्न 6 व, म, न, र, क वर्णों में से दो–दो वर्णों के जितने शब्द बना सकते हो, बनाकर लिखो, जैसे – मन, कम।

समझो– कुछ शब्दों के लिए दो या अधिक शब्दों का भी प्रयोग होता है जैसे गंगा के लिए सुरसरि, भागीरथी भी कहते है। इन्हें गंगा का पर्यायवाची शब्द कहते हैं;

प्रश्न 7 दिए गए शब्दों में से शब्द और उनके पर्यायवाची शब्द अलग–अलग करके लिखो।

जंगल, आकाश, दिन, जल, गंगा, दिवस, नीर, नभ, कानन, दिवा, स्वप्निल, वन

रचना

- इस कविता को कहानी के रुप में लिखो।

गतिविधि

- गत्ते, कागज, रुई आदि की सहायता से पक्षियों के नमूने बनाओ, उनमें रंग भरो।

योग्यता–विस्तार

- नीचे लिखी कविता पढ़ो और कविता में ही पूछे गए प्रश्न का उत्तर कक्षा में बताओ।

कौन तुम्हें अच्छा लगता है ?
बंदी तोता, उड़ता तोता ?

नभ में उड़नेवाला तोता
टें–टें करनेवाला तोता ।
पेड़ों पर जो सो जाता है
जो चाहे सो फल खाता है।

वन में उड़े बाग में आए
कुतर–कुतर कच्चे फल खाए।
पिए नदी का ठंडा पानी
करे जंगलों में मनमानी।

दूध–भात जो नित खाता है,
पिंजरे में जो सो जाता है।
राम–राम कहता है दिन भर
पिंजरे में रहता जीवन भर।

जो न कभी उड़ पाया वन में
जो न उड़ेगा अब आँगन में।
जिसे न अब कुछ भी करना है
पिंजरे में जीना–मरना है।

कौन तुम्हें अच्छा लगता है ?
बंदी तोता, उड़ता तोता ?

4H713V